

ब्रजेन्द्र कुमार पटनायक
अकादेमी पुरस्कार: छऊ



BRAJENDRA KUMAR PATTNAIK
Akademi Award: Chhau

झारखंड के सरायकेला में 22 सितंबर 1958 को जन्मे श्री ब्रजेन्द्र कुमार पटनायक ने अपने पिता श्री चित्तरंजन पटनायक से सरायकेला छऊ नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में, आपने हरिशंकर पटनायक, कंदारनाथ साहू और लिंगराज आचार्य जैसे गुरुओं के संरक्षण में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त किया।

खजुराहो उत्सव, राजगीर उत्सव, पाटलिपुत्र नृत्य उत्सव और संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित उत्सवों जैसे देश-विदेश में आयोजित होने वाले कई प्रतिष्ठित नृत्य उत्सवों में श्री ब्रजेन्द्र कुमार पटनायक ने अपनी प्रस्तुतियाँ दी हैं। आपने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और तत्कालीन यूएसएसआर में आयोजित भारत उत्सवों में भाग लिया है और इस हेतु विभिन्न देशों की यात्राएँ की हैं। श्री पटनायक ने विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों के बैनर तले कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आपको छऊ कला के क्षेत्र में शोध के लिए संस्कृति मंत्रालय से अध्येतावृत्ति भी मिली है। श्री ब्रजेन्द्र पटनायक ने संगीत नाटक अकादमी की छऊ नृत्य समर्थन परियोजना के अन्तर्गत प्रशिक्षक के रूप में कई कलाकारों को प्रशिक्षण भी दिया है और उनके कई शिष्य वर्तमान पीढ़ी के जाने-माने कलाकार हैं।

श्री ब्रजेन्द्र पटनायक को झारखंड सरकार द्वारा प्रदान किए गए झारखंड सम्मान सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्री ब्रजेन्द्र कुमार पटनायक को सरायकेला छऊ नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 22 September 1958 at Saraikella, Jharkhand, Shri Brajendra Kumar Pattanayak received training in the Chhau dance of Seraikella under his father, Shri Chittaranjan Pattanayak. Later, he received his advanced training under Harishankar Pattanayak, Kedarnath Sahu and Lingaraj Acharya.

Shri Brajendra Kumar Pattanayak has performed in many of the prestigious dance festivals within the country and abroad such as the Khajuraho festival, Rajgir festival, Pataliputra dance festival and the festivals organized by Sangeet Natak Akademi. He has also travelled to various countries to participate in dance festivals organized by the Indian Council for Cultural Relations such as the Festival of India in Switzerland, France, Germany, Indonesia, Malaysia, South Korea, Japan and erstwhile USSR. Shri Pattanayak has also conducted workshops at various forums. He has also received a Fellowship from the Ministry of Culture for his research in the art form. Shri Brajendra Pattanayak has also imparted training in the art form to numerous artists as an instructor of Sangeet Natak Akademi's project of support to Chhau dances and many of his students are well-known artists of the present generation.

Shri Pattanayak has received many awards and honours including the Jharkhand Samman conferred by the Government of Jharkhand.

Shri Brajendra Kumar Pattanayak receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for his contribution to the Chhau dance of Seraikella.